

निर्माण व्रतान्ति

न्यायालय अनुबिधानाचाय आदेशकारी प्रसरणा भिण्ड जिला भिण्ड (म.प्र.)

प.क. ३१ / २०१०-११/१७२

व्रश्यास शीक्षा अभ्यास सामग्री व्यापार वेत्ता वित्त
अटव्यास प्रशासनाकार्यालय शासनी संस्थित
सुसितनाशक्षण शासनी गोवारी लहार
वेत्ता वित्त

आवेदक

बानाम

मठापुरेश शासन

(आदेश दिनांक २४-१-११ को पारित)

आवेदक प्रस्तुत्यास शीक्षा अभ्यास सामग्री अभ्यास व्यापार वेत्ता वित्त अटव्यास प्रशासनाकार्यालय सचिव सुसितनाशक्षण शासनी लहार वेत्ता वित्त

ग्राम अकोडा १७२ को ३१८२ वी भूमि संख्या ३१८६, ३१८०, रक्खा ०-५५३ हे मे
तीव्रफल ३६.६२.५ वांगीट के व्यवर्तन की अनुमति दिये जावे हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जाएका
भू-अभिलेख ठायवसंन तथा राजस्व निरीक्षक ठायवसंन से स्थल जाँच प्रतिवेदन लिया गया जिसके अनुसार भूमि
स्वामित्व है। प्रश्नाधीन भूमि में शासकीय भूमि शामिल नहीं है, तथा व्यपर्वत किए जाने से सार्वजनिक हित में कोई
बाधा नहीं है।

उत्तर: भू-राजस्व संस्थानी धारा १७२ को अकोडा ग्राम अकोडा के संख्या ३१८६, ३१८०
रक्खा ०-५५३ हे मे तीव्रफल ३६.६२.५ वांगीट हेतु व्यवर्तन की स्वीकृति
आवेदक को निम्न शर्तों के अधीन दी जाती है:-

- विमाण छार्ट नाम प्रतिक्रिया एवं संबंधित निकाय की उपरिवर्तन शीकृत तथा लैंडआउट की मंजूरी प्रदान किया जावे।
- शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न किया जावे।
- ऐसा कोई निर्माण कार्य न किया जावे, जिससे सार्वजनिक हित में कोई बाधा उत्पन्न न हो।
- ऐसा कोई कार्य न किया जावे जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो।
- व्यपवर्तन की देवता ३६६२.५ वांगीट पर पुनः निर्धारण ९५% = ३०० रु. वर्ष २०१०-११ से काराम किया जाता है, जो प्रतिषेध होगा।
- प्रब्लेमित ५४३.३०० रु. काराम की जाती है जो सिफ एक बार देट होगा।
- व्यपवर्तन की स्वीकृति व्यावसायिक शैक्षणिक भर्त्य के पर्याजन हेतु दी गई है प्रतीजन परिवर्तित करने पर पुनः निर्धारण पुनरीक्षित किया जावे।
- आवेदक निर्माणाधीन मकान के सम्मुख तीन मीटर स्थान छोड़कर निर्माण कार्य करेगा।
- उपरोक्त शर्तों के उल्लंघन की दशा में हह अनुदायिन निरस्त कर आवश्यक वैदानिक कार्यवासी प्रचलित की जावेगी।
- प्रकरण बी-१ इन्दाज हेतु व्यपवर्तन शास्त्रा भिण्ड लौ और भेजा जावे, इन्दाज उपरान्त प्रकरण रिकार्ड दाखिल हो।

J. P.
प्राप्ति
इन्दाज कापिसदे

विवरणीय विभाग [प्र. व. व.]

6/2
अनुबिधानी अधिकारी ●
भिण्ड (म.प्र.)